नवपाषाण क्रांति
(Neolithic Revolution)

www.championsbooks.shop

परिभाषा : यह वह काल है जब मानव ने भोजन के उत्पादन के लिए कृषि करना प्रारम्भ किया, पशुओं को पालतू बनाया, स्थायी जीवन अपनाया और गाँवों की स्थापना की। इसी परिवर्तन को नवपाषाण क्रांति कहते हैं।

नवपाषाण क्रांति की मुख्य बातें

- मानव ने कृषि की शुरुआत की।
- पशुओं को पालतू बनाया और उनका पालन किया।
- स्थायी निवास स्थानों (गाँवों) की स्थापना हुई।
- मिट्टी के बर्तन (मृत्तिका कला) का निर्माण हुआ।
- पत्थर के औजारों को घिसकर धारदार बनाया गया।
- अनाज का भंडारण और अधिशेष उत्पादन संभव हुआ।
- बुनाई, कपड़ा निर्माण और टोकरी बनाना शुरू हुआ।
- सामाजिक और आर्थिक जीवन में बड़ा परिर्वन आया।

नवपाषाण काल का जीवन

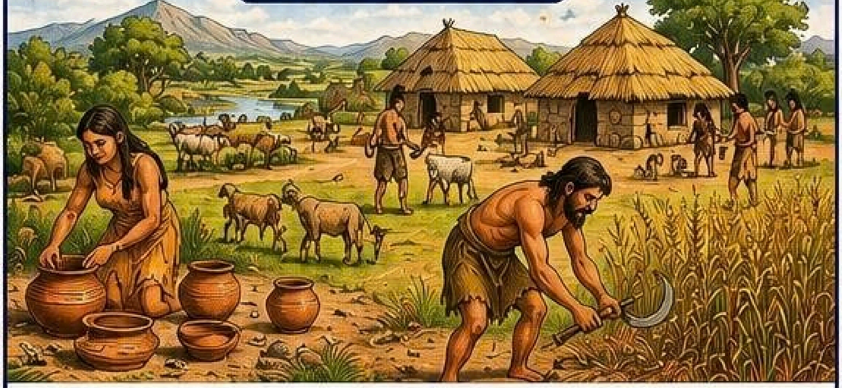

मानव जीवन में परिवर्तन

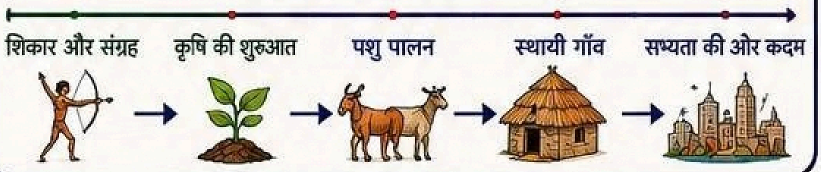

नवपाषाण क्रांति के कारण

- जलवायु में परिवर्तन और तापमान का स्थिर होना।
- वनों का फैलाव और प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता।
- भोजन की आवश्यकता की पूर्ति के नए साधनों की खोज।
- मानव के अनुभव और ज्ञान में वृद्धि।
- जनसंख्या में वृद्धि और स्थायी जीवन की आवश्यकता।

नवपाषाण क्रांति के परिणाम

- स्थायी गाँवों की स्थापना हुई।
- कृषि और पशुपालन से भोजन की उपलब्धता बढ़ी।
- अधिशेष उत्पादन से व्यापार और विनिमय की शुरुआत हुई।
- सामाजिक विभाजन और श्रम विभाजन की शुरुआत हुई।
- सभ्यता के विकास की नींव पड़ी।

नवपाषाण काल के औजार

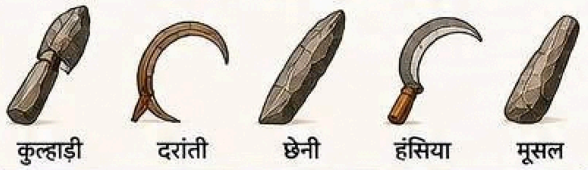

पालतू बनाए गए प्रमुख पशु

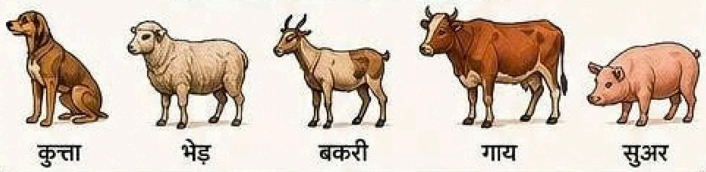

नवपाषाण काल की बस्तियाँ (उदाहरण)

- मेहरगढ़ (बलूचिस्तान)
- चिरांद (बिहार)
- कोल्डीहवा (उत्तर प्रदेश)
- बुर्जहोम (कश्मीर)
- उत्तिरमेरुर (तमिलनाडु)

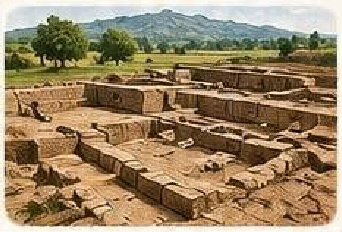

मिट्टी के बर्तन (मृत्तिका कला)

- इस काल में मिट्टी के बर्तनों का निर्माण शुरु हुआ।
- बर्तनों को हाथ से बनाया जाता था।
- बाद में कुम्हार के चाक (घूमने वाले चक्र) का उपयोग हुआ।
- बर्तनों को पकाकर उन्हें मजबुत बनाया जाता था।

नोट : नवपाषाण क्रांति मानव इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ थी, जिसने मानव को शिकारी जीवन से कृषि आधारित स्थायी जीवन की ओर अग्रसर किया और आगे चलकर सभ्यता के विकास का मार्ग प्रशस्त किया।